डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड
एम्.ए.पीएच.डी.
रीडर एवं अध्यक्ष,
पदवी तथा पदव्युत्तर हिन्दी-विभाग,
श्री शिवाजी महाविद्यालय, बार्शी
[जिला - सोलापूर] - ४१३४११

॥ प्रमाण - पत्र ॥
============

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्री. अनिल मनोहर जाधव द्वारा शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल्. उपाधि के हेतु प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध " राजेन्द्र अवस्थी की प्रिय कहानियाँ : एक विश्लेषण। " [राजेन्द्र अवस्थी द्वारा सम्पादित " मेरी प्रिय कहानियाँ " इस पुस्तक के संदर्भ में] मेरे मार्गदर्शन में पूरा कर दिया है। प्रस्तुत लघु - शोध प्रबंध पूर्व योजना के अनुसार पूरा हुआ है। इस शोध -प्रबंध का प्रत्येक पृष्ठ मैंने पढ़ा है और उसे विषयानुकूल पाया है।

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि, इस शोध-प्रबंध में तथ्यों को प्रस्तुत करते हुए जो विवेचन- विश्लेषण किया गया है, वह सब मेरे निर्देशन के अनुसार सही है।

अत: मैं इसे परीक्षार्थ प्रस्तुत करने की संस्तुति करता हूँ।

बार्शी
दिनांक : २९/१२/१९९४

[डॉ. ज्ञा.का. गायकवाड]
शोध - निर्देशक

****

परीक्षण किया गया।
(ग.पा. चव्हाण)
परीक्षक

Head, Hindi Dept.
Shivaji University,
Kolhapur-416 004.

श्री. अनिल मनोहर जाधव
मु.पो. कासेगांव
ता. पंढरपूर
जि. सोलापूर
४१३३०४.

।। प्र ति ज्ञा - प त्र ।।

मैं यह विश्वास के साथ कहता हूँ कि एम्. फिल्. उपाधि के हेतु प्रस्तुत लघु- शोध प्रबंध,

"राजेन्द्र अवस्थी की प्रिय कहानियाँ :एक विश्लेषण।" [राजेन्द्र अवस्थी द्वारा सम्पादित "मेरी प्रिय कहानियाँ " इस पुस्तक के संदर्भ में] व्यक्त विचार मेरे अपने हैं तथा विवेचन विश्लेषण का ढंग स्वंतत्र ही है। यह लघु- प्रबंध इसके पूर्व अन्यत्र किसी विश्वविद्यालय को किसी भी उपाधि के हेतू प्रस्तुत नहीं किया गया है।

यह भी घोषित किया जाता है कि, यह कार्य पूरा करते समय मैंने अपने शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन के अनुसार प्रामाणिकता से काम किया है।

कासेगांव

दिंनाक : २१ /१२/ १९९४

[अ. म. जाधव]
शोध - कर्ता

****